

लेकिन उनके बारे में अन्य अधिकारियों को लिखे जाने वाले पत्र आदि अंग्रेजी में भेजे जाते हैं और उनके हिन्दी अनुवाद सम्बद्ध कर्मचारी के नाम भेज दिये जाते हैं।

-(ख) ३१ जुलाई, १९६१ तक के छः महीनों में चौथी श्रेणी के कर्मचारियों के सम्बन्ध में जारी की गयी सूचनाओं आदि की कुल संख्या ५० थी और उनमें से ४ हिन्दी में थीं।

†[THE MINISTER OF FINANCE (SHRI MORARJI R. DESAI): (a) From late July, 1961, all communications addressed to class IV employees are issued in Hindi; while those addressed in regard to them to other authorities are issued in English with a Hindi translation endorsed to the employee concerned.

(b) The total number of communications pertaining to class IV employees issued during the last six months upto 31st July, 1961 was 50, and 4 of them were issued in Hindi.]

हिन्दी में आये पत्रों के आंकड़ों का इकट्ठा किया जाना

८६. श्रीमती शान्ति देवी : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गृह-कार्य मंत्रालय प्रति छः मास के उपरान्त सभी मंत्रालयों से ऐसे पत्रों के आंकड़े मांगता है, जो (१) उन्होंने हिन्दी में प्राप्त किये और (२) जिनका उत्तर उन्होंने हिन्दी में दिया ; और

(ख) यदि हा, तो उन आंकड़ों का क्या उपयोग किया जाता है और क्या इन आंकड़ों के आधार पर उन विभागों को जहाँ हिन्दी पत्रों के उत्तर समुचित रूप से हिन्दी में नहीं दिये जाते, समय समय पर कोई परामर्श अथवा अनुदेश दिया जाता है ?

†[COLLECTION OF FIGURES RELATING TO HINDI COMMUNICATIONS

86. SHRIMATI SHANTI DEVI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that his Ministry collect figures from all the Ministries after every six months regarding the number of letters (i) received by them in Hindi and (ii) replied to by them in Hindi; and

(b) if so, what is the utility of these figures and whether on the basis of these figures any instruction or advice is given from time to time to those Departments which do not duly reply Hindi letters in Hindi?]

गृह-कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बी० एन० दातार): (क) जी हाँ।

(ख) इन आंकड़ों से यह पता चलता है कि हिन्दी के प्रयोग में कितनी वृद्धि हुई है और आवश्यकतानुसार सम्बद्ध विभागों को उचित परामर्श दिया जाता है।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI B. N. DATAR): (a) Yes.

(b) These figures indicate the progress made in the use of Hindi. Where necessary, suitable advice is given to the Departments concerned.]

दिल्ली विश्वविद्यालय में हिन्दी के माध्यम से शिक्षा

८७. श्रीमती शान्ति देवी : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली विश्वविद्यालय ने हिन्दी के माध्यम से शिक्षा देने का निर्णय कब किया था ; और

(ख) इस निर्णय को कार्यरूप में परिणत करने के लिये अब तक क्या कदम उठाये गये हैं और कब से हिन्दी के माध्यम से शिक्षा देना आरम्भ हो जायेगा ?

†[HINDI AS MEDIUM OF INSTRUCTION IN
DELHI UNIVERSITY]

87. SHRIMATI SHANTI DEVI: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) when the University of Delhi decided to impart instruction through the medium of Hindi; and

(b) what steps have so far been taken to implement this decision and by when the instruction will be imparted through the medium of Hindi?]

शिक्षा मंत्री (डा० कालू लाल श्रीमाली) :

(क) और (ख). शिक्षा और परीक्षा के माध्यम के रूप में हिन्दी को उत्तरोत्तर लागू करने की योजना दिल्ली विश्वविद्यालय ने सब से पहिले अक्टूबर, १९५५ में बनाई थी और तब से ही यह सम्बन्धित प्राधिकारियों के विचाराधीन है।

†[THE MINISTER OF EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): (a) and (b) The scheme for gradual introduction of Hindi as medium of instruction and examination was first drawn up by the University of Delhi in October, 1955, and has since been under consideration of the authorities concerned.]

शिक्षा की पाठ्य पुस्तकों का हिन्दी में अनुवाद

८८. श्री किशोरी राम : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि शिक्षा की पाठ्य पुस्तकों का हिन्दी में अनुवाद कराने अथवा इस प्रकार की पुस्तकों को मूल रूप से हिन्दी में लिखने के लिये सरकार ने क्या कोई योजना बनाई है और यदि हां, तो वह योजना क्या है और इस संबंध में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

†[TRANSLATION OF EDUCATIONAL TEXT BOOKS INTO HINDI]

88. SHRI KISHORI RAM: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state whether Government have prepared any scheme for getting the

educational text-books translated into Hindi or for getting such books written originally in Hindi and if so, what is that scheme and what progress has so far been made in this connection?]

शिक्षा मंत्री (डा० कालू लाल श्रीमाली) :

विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

शिक्षा मंत्रालय ने अनुवाद की निम्न-लिखित दो योजनायें संचालित की हैं :

(१) विश्वविद्यालय स्तर की पाठ्य पुस्तकों और उत्कृष्ट रचनाओं का हिन्दी तथा प्रादेशिक भाषाओं में अनुवाद और प्रकाशन।

(२) सामान्य पुस्तकों का हिन्दी में अनुवाद और प्रकाशन।

योजनाओं के ब्यौरे संसद पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

(क) उपरोक्त योजना (१) के अन्तर्गत हुई प्रगति :

(१) योजना में निहित व्यवस्था के अनुसार बिहार, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में समन्वय समितियों की स्थापना कर दी गई है।

(२) विभिन्न प्रदेशों के लिये जो पुस्तकें नियत की गई हैं, उन्हें अनुवाद करने वाले अभिकरणों (एजेंसियों) अर्थात् विश्वविद्यालयों और राज्य सरकारों की शैक्षणिक संस्थाओं में बांट दिया गया है।

(३) अनुवाद करने वाले अभिकरणों (एजेंसियों) ने भी अधिकांश पुस्तकें अनुवादकों को दे दी हैं।